भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5191 का उत्तर

ग्लोबल हाइपरलूप कंपिटीशन 2025

5191. श्री कार्तिक चन्द्र पॉल:
श्रीमती अपराजिता सारंगी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ग्लोबल हाइपरलूप कंपिटीशन 2025 के दौरान प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित की गई प्रमुख प्रौद्योगिकीय सफलताओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) भारतीय रेलवे और आईआईटी मद्रास के बीच वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग वीटीओएल) व्हीकल परियोजना पर हुआ सहयोग परिवहन में नवाचार का किस प्रकार समर्थन करता है; और

(ग) भारत के परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र में हाइपरलूप और वीटीओएल नवाचारों को एकीकृत करने के लिए योजनाबद्ध कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (आरडीएसओ), जो रेल मंत्रालय के अधीन एक इकाई है, ने इस प्रौद्योगिकी के सत्यापन के लिए आईआईटी/मद्रास में भविष्य के पूर्ण पैमाने के हाइपरलूप के पॉड, टेस्ट ट्रैक और वैक्यूम ट्यूब सुविधा के सब-स्केल मोड के

विकास के उद्देश्य से हाइपरलूप प्रौद्योगिकी के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए 22.09.2022 को आईआईटी/मद्रास के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

आईआईटी/मद्रास में आयोजित वैश्विक हाइपरलूप प्रतियोगिता 2025 ने हाइपरलूप प्रौद्योगिकी में तीव्र प्रगति का प्रदर्शन किया, जिसमें प्रतिभागी टीमों ने इंजीनियरी, डिज़ाइन और व्यावसायिक रणनीति की सीमाओं को आगे बढ़ाया। अत्याधुनिक पॉड सिस्टम, दूरदर्शी अवसरंचना अवधारणाओं और व्यापक बाजार रणनीतियों के माध्यम से, ये नवाचार एक कुशल, टिकाऊ और उच्च गति वाले परिवहन भविष्य को साकार करने में मदद कर सकते हैं।

एक पहल के रूप में, रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक इकाई, अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (आरडीएसओ) ने वीटीओएल नवाचार और रेलवे अनुप्रयोगों के लिए इसका उपयोग करने हेतु दिसंबर 2024 में आईआईटी/मद्रास के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

******